पाठ 8. संयुक्त व्यंजन एवं संयुक्ताक्षर

इस पाठ में बच्चों को संयुक्त व्यंजनों के बारे में जानकारी दी जाएगी और यह भी बताया जाएगा कि विभिन्न संयुक्त व्यंजनों का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है तथा उनका निर्माण कैसे होता है।

संयुक्त व्यंजन

संयुक्त व्यंजन से बच्चों को परिचित कराएँ। उन्हें बताएँ कि क्ष, त्र, ज्ञ और श्र संयुक्त व्यंजन हैं। संयुक्त व्यंजनों से बने इन शब्दों को बच्चों से पढ़वाएँ और उनके उच्चारण पर ध्यान दें। सभी शब्दों को दो-दो बार कॉपी में लिखने को कहें। शुद्‌ध उच्चारण करते हुए श्यामपट्‌ट पर दिए गए शब्दों को लिखें। इन्हीं शब्दों के प्रयोग से बच्चों को एक कहानी बनाने को कहें। पहले स्वयं एक छोटी-सी कहानी बनाकर बच्चों को सुनाएँ—श्रवण कुमार की कथा भी सुनाई जा सकती है। उसने किस प्रकार अपने अंधे माता-पिता की सेवा की। एक रक्षक बनकर उनकी रक्षा की। किताबी ज्ञान तो उसे नहीं था लेकिन आत्मविश्वास बहुत था। अपने माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर भ्रमण करवा रहा था। माता-पिता ने पानी पीने की इच्छा प्रकट की। तालाब से पानी भरते समय एक तीर आकर उसके सीने में चुभ गया। राजा दशरथ को सामने हाथ जोड़े देख उसने उन्हें श्राप दिया कि वे भी उसी प्रकार पुत्र के वियोग में तड़प-तड़पकर मरेंगे जिस प्रकार उसके मर जाने के बाद उसके माता-पिता को तड़पकर जीवन बिताना होगा।

र पदेन (्) व र रेफ़ (ँ)

बच्चों को बताएँ कि किसी व्यंजन के साथ र किस प्रकार जुड़ता है। ट, ड, आदि के साथ र के जुड़ने पर बने संयुक्ताक्षरों का अभ्यास करवाएँ। र के साथ अन्य व्यंजन के जुड़ने पर उसका रूप बदल जाता है, इसे उदाहरण देकर समझाएँ।

अन्य संयुक्ताक्षर

दो अक्षरों के संयोग से संयुक्ताक्षर बनते हैं। बच्चों को इन संयुक्ताक्षरों से परिचित करवाएँ। दो व्यंजनों को एक साथ जोड़ते समय किस प्रकार पाई (खड़ी रेखा) हटा दी जाती है, इसका ज्ञान दें। संयुक्ताक्षर व संयुक्त व्यंजन के अंतर को स्पष्ट करें।

अब बच्चों को बताएँ कि हलंत क्या है। हलंत लगाने से व्यंजन व उसका उच्चारण आधा हो जाता है। कोई भी व्यंजन स्वर के बिना पूरा नहीं होता। जैसे क् + अ = क।

दिए गए संयुक्ताक्षरों से एक-एक शब्द बनाने को कहें। जैसे – च्च = बच्चा। शब्दों में से संयुक्ताक्षरों को छाँटकर अलग करने को कहें – इस अभ्यास को बच्चे स्वयं करें। बच्चों के द्‌वारा किए गए कार्य को जाँचें।